लुंबिनी की तर्ज पर होगा कुशीनगर और श्रावस्ती का पर्यटन विकास

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकासित करेगा पर्यटन विभाग

कुशीनगर में योजना के तहत 50 एकड़ जमीन चिह्नित

लखनऊ। नेपाल के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल लुंबिनी की तर्ज पर प्रदेश में भी भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों का पर्यटन विकास किया जाएगा। इसकी शुरुआत कुशीनगर से की जाएगी। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की पहल पर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जमीन चिह्नित करने के बाद कंसल्टेंट एजेंसी का चयन शुरू कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने पर्यटन सेक्टर में रोजगार को बढ़ाने के उद्देश्य से देश के 50 पर्यटन स्थलों के विकास में निवेश कर विकास की घोषणा बजट में की है। इसमें भी भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों के विकास पर विशेष फोकस करने की बात कही गई है। इसी क्रम में पिछले दिनों केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कुशीनगर समेत कई स्थलों का भ्रमण किया था।

महाकुंभ के सफल आयोजन और यहां आए 66 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आने के बाद पर्यटन विभाग ने अब नई कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रदेश के पांच पर्यटक स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त करते हुए विकसित किया जाएगा। इसकी शुरुआत कुशीनगर से होगी। यहां पर पर्यटन बिभाग ने नई परियोजनाओं के लिए 50 एकड़ जमीन चिह्नित की है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि केंद्र की योजना के तहत प्रदेश के पांच पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। इसमें तीन बौद्ध पर्यटन स्थल व दो सनातन के केंद्र होंगे। यहां पर पर्यटकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं, ठहरने, खान-पान, भ्रमण के साथ-साथ आकर्षक म्यूजियम, भगवान बुद्ध से जुड़ी चीजें, उसके बारे में जानकारी, अत्याधुनिक डिस्प्ले, लाइट एंड साउंड सिस्टम आदि को शामिल किया जाएगा। इससे न सिर्फ रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। ब्यूरो